वर्ष 1 - अंक 20
गुरुवार 12 दिसम्बर 2024 - कुल पृष्ठ - 4
RNI - NO. MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

निगम द्वारा झोन 13 में रिमूवल करवाई

अनिल चौधरी

आयुक्त श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार आज झोन क्रमांक 13 के अंतर्गत दो स्थानों पर अवैध निर्माण हटाते हुए रिमूवल कार्रवाई की गई। उपायुक्त श्रीमती लता अग्रवाल ने बताया की निगम रिमूवल विभाग द्वारा आज जोन क्रमांक 13 के अंतर्गत 68 विष्णुपुरी में एम ओ एस में किये गए 3000 स्क्वायर फीट क्षेत्र के अवैध निर्माण को हटाने की कार्रवाई की गई।

साथ ही जोन क्रमांक 13 के अंतर्गत 37 नानक पैलेस कॉलोनी में अवैध रूप से बनाए जा रहे

1500 स्क्वायर फीट पर हॉस्टल निर्माण को भी रिमूवल करने की कार्रवाई की गई। कार्यवाही के दौरान उपायुक्त श्रीमती लता अग्रवाल भवन अधिकारी श्री अंकेश बिरथारिया, श्री सुनील जादौन, भवन निरीक्षक श्री विशाल पटेल, रिमूवल सहायक श्री बबलू कल्याणे एवं अन्य उपस्थित थे।

कोठारी कॉलेज में लगी

इंदौर पुलिस की सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों की पाठशाला

डीसीपी क्राइम ने स्टूडेंट्स को साइबर अपराधों की जानकारी देने के साथ ही किया उन्हें नशे से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति भी जागरूक

स्टूडेंट्स सहित स्टाफ को भी दिलवाई नशे से दूर रहने की शपथ

इंदौर पुलिस द्वारा साइबर अपराधों, महिला अपराधों एवं नशे के दुष्परिणामों के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से लगातार विभिन्न सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज दिनांक 11.12.24 को डीसीपी क्राइम नगरीय इंदौर श्री राजेश कुमार त्रिपाठी, पुलिस टीम के साथ कोठरी कॉलेज इंदौर में पहुंचे।

कोठरी कॉलेज में आयोजित उक्त जागरूकता कार्यक्रम में डीसीपी क्राइम व इंदौर पुलिस की टीम ने उपस्थित छात्र एवं छात्राओं एवं शिक्षकगणों को वर्तमान समय के सायबर अपराधों के प्रकारों, इनके करने के तरीके तथा इनसे किस प्रकार बचा जाए आदि के संबंध में विस्तृत रूप से बताया। उन्हें विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन फ्रॉड, फाइनेंसियल फ्रॉड, सेक्सटॉर्शन फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट जैसे विभिन्न फ्रॉड और सोशल मीडिया का दुरुपयोग करके अपराधी किस प्रकार हमें फंसाते हैं यह जानकारी देते हुए, इनसे बचने के लिए सावधानीपूर्वक इनका इस्तेमाल करने और अपनी निजी जानकारी किसी से शेयर न करने के बारे में समझाइश दी।

टीम द्वारा सभी स्टूडेंट्स से वर्तमान परिवेश में जो नशे की गिरफ्त में लोग आते जा रहे हैं उस को ध्यान में रखते हुए उन्हें नशे के दुष्परिणामें आदि के संबंध में जानकारी देते हुए, सभी को हमेशा नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर वपर कोठारी कालेज के द्वारा चलाए जाने वाले प्रोजेक्ट सखी सुपर हंड्रेड और युवा सुपर हंड्रेड तथा स्पोर्ट्स सुपर हंड्रेड जैसे प्रोजेक्ट जो छात्र एवम छात्रो के भौतिक एवं मानसिक सशक्तिकरण पर आधारित है का, DCP श्री राजेश कुमार त्रिपाठी ने अवलोकन किया और उन्होंने कोठारी कालेज के द्वारा चलाए जा रहे उक्त प्रोजेक्ट की सराहना की।

इस दौरान कोठारी कॉलेज के सी ई ओ श्री रूनझुन पाडलिया, प्राचार्य डा प्रियदर्शिनी अग्निहोत्री ,प्रो चेतना कुदालिया, प्रो वन्दना गोयल, प्रो मधुर भट्ट , प्रो अल्पा मिश्रा सहित कॉलेज के अन्य स्टाफ व स्टूडेंट्स ने, इंदौर पुलिस की इस जागरूकता मुहिम का लाभ लेकर, इन कार्यक्रमों की तारीफ की ।

• खरगोन जिले में कसरावद के तेली भट्यान गांव में नर्मदा किनारे उनका अंतिम संस्कार किया गया • साधु-संतों ने उन्हें मुखाग्नि दी

संत सियाराम बाबा पंचतत्व में विलीन

सीएम मोहन यादव समेत लाखों श्रद्धालुओं ने नम आंखों से दी अंतिम विदाई

मोक्षदा एकादशी पर ली अंतिम सांस...

निमाड़ के प्रसिद्ध संत सियाराम बाबा पंचतत्व में विलीन हो गए। खरगोन में कसरावद के तेली भट्यान गांव में नर्मदा किनारे उनका अंतिम संस्कार किया गया। साधु-संतों ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस दौरान लाखों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने नम आंखों से उन्हें विदाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी अंतिम संस्कार में शामिल हुए।

बुधवार के देह त्यागने की खबर मिलते ही श्रद्धालुओ के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। अंतिम यात्रा से पहले तक करीब तीन लाखा भक्तों ने उनके अंतिम दर्शन किए। दोपहर बाद सियाराम बाबा की उनके आश्रम से नर्मदा घाट तक अंतिम यात्रा निकाली गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने जय सियाराम के नारे लगाए। दोपहर करीब तीन बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आश्रम पहुंचकर बाबा को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने बाबा की समाधि व क्षेत्र को पवित्र और पर्यटन स्थल बनाने की घोषणा की। संत सियाराम बाबा ने 110 वर्ष की आयु में बुधवार को मोक्षदा एकादशी पर सुबह 6:10 बजे अंतिम सांस ली। बाबा पिछले 10 दिन से निमोनिया से पीड़ित थे।

एक दशक तक खड़े रह मौन तपस्या की...

संत सियाराम के अनुयायियों ने बताया, बाबा का असली नाम कोई नहीं जानता। वे 1933 से नर्मदा किनारे रहकर तपस्या कर रहे थे। 12 साल तक खड़े रहकर मौन तपस्या की। वे करीब 70 साल से रामचरित मानस का पाठ भी कर रहे थे। उन्होंने अपने तप और त्याग से लोगों के हृदय में जगह बनाई। उनके मुंह से पहली बार सियाराम का उच्चारण हुआ था, तभी से लोग उन्हें संत सियाराम बाबा कहकर पुकारते हैं। हिमालय यात्रा के दौरान की गई तपस्या के बाद संत सियाराम बाबा और फिर से वापस मध्यप्रदेश की ओर लौटे, जहां खरगोन जिले के भट्टियान गांव में आकर उन्होंने विश्राम किया। बाबा बचपन से ही हनुमान जी के परम भक्त थे और यहां आकर वे लगातार रामायण का पाठ करने में जुट गए। संत सियाराम बाबा के अनुयायियों के अनुसार नर्मदा किनारे स्थित उनकी संपत्तियों से दो करोड़ चालीस लाख रुपये से अधिक की राशि जुटाई। इस राशि से नर्मदा के घाटों की मरम्मत के अलावा आयोध्या के राम मंदिर, जामगेट के पास बन रहे पार्वती मंदिर व अन्य मंदिरों के निर्माण के लिए दे दी। बाबा आश्रम में सदा ही श्रद्धालुओं से केवल 10 रुपये का ही दान लिया जाता था और इससे अधिक रुपया दान देने पर उसे वापस लौटा दिया जाता था।

कोई भी मौसम शरीर पर केवल लंगोट...

बाबा किसी भी तरह के मौसम में केवल एक लंगोट पहने ही ध्यान और साधना में लीन दिखाई देते थे। बरसों इसी तरह रहने के चलते उनका शरीर भी अब इसके अनुकूल हो गया था और करीब 110 सालों की उम्र होने के बावजूद भी बाबा अपने सारे काम खुद ही करना पसंद करते थे। यहां तक की बाबा इतनी अधिक उम्र होने के बावजूद अपना भोजन भी स्वयं ही पकाते थे। वे सादा भोजन ही करते थे और कई बार तो केवल फलाहार ही करते थे।

गीता जयंती पर जनकल्याण पर्व और जनकल्याण अभियान आरंभ होना सुखद संयोग : डॉ. यादव

मप्र में बना गीता पाठ का वर्ल्ड रिकॉर्ड

गीता जयंती के मौके पर बुधवार को 7 हजार प्रतिभागियों ने सामूहिक गीता पाठ किया। इनमें 3721 आचार्य और बटुक शामिल थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहे।

मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में गीता के तीसरे अध्याय 'कर्म योग' का सस्वर पाठ सुबह करीब साढ़े 11 बजे शुरू होकर 9 मिनट तक चला। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के एजुकेटर विश्वनाथ ने विश्व रिकार्ड की घोषणा की। जिसके बाद सीएम यादव को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट सौंपा गया। इस दौरान सीएम ने प्रदेश की 1.28 करोड़ लाड़ली बहनों के बैंक खातों में सिंगल क्लिक से 1250 रुपए डाले। 55 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों को भी 334 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। उज्जैन में भी अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के चौथे दिन बुधवार को कॉलेज, स्कूल और संस्कृत विद्यालय के बटुक, आचार्य और विद्यार्थियों ने सामूहिक गीता पाठ किया। 5108 बच्चों ने सुबह 11 बजे गीता का पाठ शुरू किया, जो दोपहर 12 बजे तक चला। आज एमपी नहीं, दुनिया के अंदर पहली बार भगवान के मुंह से निकली गीता के पाठ का रिकॉर्ड बना है। आने वाले समय में इससे बड़ा कार्यक्रम कोई और करे तो हम आनंद में डूबेंगे।' वहीं मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य सरकार के एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर प्रदेशव्यापी जनकल्याण पर्व और मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान का दीप प्रज्ज्वलित कर लाल परेड़ ग्राउंड से शुभारंभ किया। उन्होंने उपस्थित संतों का पुष्प वर्षा कर अभिवादन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, सूक्ष्म लघु और मध्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यप, संस्कृति और पर्यटन मंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग, श्री हितानंद शर्मा, श्री रामेश्वर शर्मा, विधायक श्री भगवान दास सबनानी, महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक नगर निगम सभापति श्री किशन सूर्यवंशी, श्री सुमित पचौरी, अन्य जन-प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गीता महोत्सव के उपलक्ष में हजारों आचार्यों द्वारा एक साथ गीता के श्लोकों का वाचन करने का 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' का प्रमाण-पत्र प्राप्त किया। लगभग 7 हजार से अधिक व्यक्तियों द्वारा सस्वर गीता पाठ किया गया, जिसमें 3 हजार 721 आचार्य तथा बटुक शामिल थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, 'किसी पूजा पद्धति से हमारा विरोध नहीं है। हमने इंद्र का दरबार नहीं देखा लेकिन आज उसका लघु रूप यहां दिखाई दे रहा है। 10 हजार श्लोक यहां पढ़े गए। 5 हजार साल पहले जो रिकॉर्ड बना था, उस समय गिनीज बुक नहीं थी। लेकिन उस समय भगवान के मुखारबिंद से निकले एक-एक शब्द लिपिबद्ध हुए थे।

'किसी पूजा पद्धति से हमारा विरोध नहीं'

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, 'किसी पूजा पद्धति से हमारा विरोध नहीं है। हमने इंद्र का दरबार नहीं देखा लेकिन आज उसका लघु रूप यहां दिखाई दे रहा है। 10 हजार श्लोक यहां पढ़े गए। 5 हजार साल पहले जो रिकॉर्ड बना था, उस समय गिनीज बुक नहीं थी। लेकिन उस समय भगवान के मुखारबिंद से निकले एक-एक शब्द लिपिबद्ध हुए थे।

सबसे अधिक सर्च किए जाने वाला ग्रंथ है श्रीमद्भगवद् गीता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता से जीवन सूत्र और मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए सभी देशों के लोग लालायित हैं। गूगल सर्च ईंजन बताता है कि विश्व में सर्वाधिक जिज्ञासा श्रीमद्भगवद् गीता के संबंध में ही है। विश्व के सभी धार्मिक ग्रंथों में गीता एकमात्र ऐसा ग्रंथ है, जो कर्म पथ, भक्ति मार्ग और शांति का संदेश देती है। सनातन संस्कृति और श्रीमद्भगवद्गीता जीवन की ऊथल-पुथल में शांति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। 'धर्म की जय हो - अधर्म का नाश हो - प्राणियों में सद्भाव हो और विश्व का कल्याण हो' के वाक्य हमारी संस्कृति के मूल भाव को अभिव्यक्त करते हैं। सनातन संस्कृति में धर्म आधारित जीवन शैली और परस्पर संबंधों की कल्पना है और हम हमारी संस्कृति इसे चरितार्थ करने पर आधारित है। सनातन जीवन संस्कृति में आचार संहिता का पालन जरूरी है।

मां का कत्ल : 'स्कूल में सबके सामने डांटा, इसलिए मारा'

गोरखपुर, एजेंसी। परमाणु अनुसंधान केंद्र चेन्नई में वैज्ञानिक राममिलन की पत्नी की मौत के राज का पर्दाफाश पोस्टमार्टम रिपोर्ट और घर में दो जगहों पर खून के धब्बे व शव को घसीटने के निशान से हुआ। वहीं, सीसीटीवी कैमरे में भी किसी के आने की पुष्टि नहीं हुई। पुलिस ने इन पहलुओं पर जांच आगे बढ़ाई। शक के दायरे में आए बेटे से कड़ाई से पूछताछ की तो उसने पूरी घटना बयां कर दी। इसे सुनकर पिता ही नहीं पुलिस भी दंग रही गई। पत्नी की मौत और इकलौते बेटे की करतूत पर पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस की पूछताछ में बेटे ने बताया कि मम्मी ने एक दिसंबर को स्कूल जाकर प्रिंसिपल से उसकी शिकायत की थी। स्कूल में ही सबके सामने उसे डांट-फटकार लगाई गई। वहां प्रिंसिपल भी उसकी शिकायतें करने लगी थी, इसलिए मार दिया।

एनआरसी के लिए आवेदन न करने वालों को नहीं मिलेगा आधार कार्ड

असम सरकार ने बुधवार को घोषणा की कि जिन लोगों ने अब तक राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) में आवेदन नहीं किया है, उन्हें अब आधार कार्ड नहीं मिलेगा। राज्य सरकार ने यह फैसला आज मंत्रिमंडल की एक बैठक के बाद लिया। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह कदम बांग्लादेश से हो रही घुसपैठ को रोकने के लिए उठाया गया है। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा, पिछले दो महीनों में असम पुलिस,त्रिपुरा पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) ने बड़ी संख्या में घुसपैठियों को पकड़ा है। बांग्लादेश से हो रही इस घुसपैठ को लेकर असम सरकार चिंतित है और इस रोकने के लिए अपनी व्यवस्था को मजबूत करना चाहती है। उन्होंने कहा, हमें अपनी व्यवस्था को और मजबूत बनाने की जरूरत है, इसलिए आधार कार्ड प्रक्रिया को कड़ा किया गया है। अब से राज्य सरकार का सामान्य प्रशासन विभाग आधार कार्ड आवेदनकर्ताओं की सत्यापन प्रक्रिया का मुख्य जिम्मेदार होगा। हर जिले में एक अतिरिक्त जिला आयुक्त को इस कार्य के लिए नियुक्त किया जाएगा। सरमा ने बताया कि आधार आवेदन के बाद यूआईडीएआई इसे राज्य सरकार के पास सत्यापन के लिए भेजेगा। इसके बाद स्थानीय सर्किल अधिकारी यह जांच करेंगे कि आवेदक या उनके परिवार ने एनआरसी में आवेदन किया था या नहीं। अगर एनआरसी में आवेदन नहीं किया गया होगा, तो आधार कार्ड का आवेदन तुरंत निरस्त कर दिया जाएगा और इस बारे में रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजी जाएगी।

एसआई ने पैरासिटामॉल को ड्रग्स बताकर युवक को कराई जेल

पंजाब से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। जहां एक युवक ने सड़क पर सब इंस्पेक्टर की कार को साइड नहीं दिया तो पुलिसकर्मी का ईगो हर्ट हो गया। उन्होंने न सिर्फ उस युवक को पकड़ा बल्कि उसके पास पैरासिटामॉल की गोली दिखाकर उसे ड्रग्स बता दिया। आलम ये रहा कि वो युवक इस फर्जी केस में 75 दिन तक जेल में रहा। अब हाईकोर्ट से उसे राहत मिली है और कोर्ट ने फटकार लगाकर दो लाख रुपए हर्जाना के रूप में पीड़ित को देने के लिए कहा है। दरअसल, 24 जून को कपूरथला में एक 36 वर्षीय शख्स (कोर्ट के आदेश के चलते पहचान नहीं बता सकते) अपने घर लौट रहा था। रास्ते में कार को साइड ना मिलने से नाराज सब इंस्पेक्टर ने युवक को हिरासत में ले लिया। 26 जून को FIR में पुलिस ने नशे की 565 गोली बरामद करने का झूठा केस बना डाला। जांच में बाद में पता चला जिसे पुलिस वाले ने नशे की गोली कहा वो पैरासिटामॉल थी। 75 दिन इस शख्स को बेवजह झूठे ड्रग्स के केस में पंजाब पुलिस ने जेल में रखा। अब हाईकोर्ट से इस शख्स को राहत मिली है। हाईकोर्ट ने दो लाख रुपए का हर्जाना पीड़ित को देने को कहा है।

अतुल सुभाष आत्महत्या मामले में हाई कोर्ट ने लिया संज्ञान, फाइलें की तलब

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को तेलंगाना के एक मामले की सुनवाई की। इस दौरान अतुल सुभाष सुसाइड मामले में महिलाओं द्वारा दहेज कानून के गलत इस्तेमाल पर चिंता जताई। कोर्ट ने टिप्पणी किया कि दहेज उत्पीड़न के मामलों में अदालतों को कानून का दुरुपयोग रोकने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए।

कोर्ट ने कहा कि पति के सगे संबंधियों को फंसाने की प्रवृत्ति को देखते हुए निर्दोष परिवार के सदस्यों को अनावश्यक परेशानी से बचाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के मामले को संज्ञान लेने के बाद हाई कोर्ट ने भी इसका संज्ञान लिया।

हाई कोर्ट ने अतुल सुभाष व उसके परिवार के खिलाफ दीवानी न्यायालय में चल रहे सभी मुकदमों के विवरण की फाइल तलब किया है। अतुल सुभाष के अधिवक्ता अवधेश तिवारी ने बताया कि हाईकोर्ट ने अतुल के खिलाफ दाखिल सभी मुकदमों का रिकॉर्ड मांगा है। जिला जज कार्यालय से उनके पास फोन आया था कि जो मुकदमे अतुल के ऊपर चल रहे हों उसकी तारीख व अन्य विवरण उपलब्ध करा दें। वर्तमान में दीवानी न्यायालय में अतुल के खिलाफ भरण पोषण, घरेलू हिंसा व दहेज उत्पीड़न का मुकदमा चल रहा है। सभी फाइलों का रिकॉर्ड इकट्ठा कर हाई कोर्ट भेजा जाएगा। बताया गया कि हाई कोर्ट में कई लोगों ने मेल करके मामले की जांच करने पर दोषियों को दंडित करने की मांग की है। मृत इंजीनियर अतुल सुभाष, उसके पिता, माता व भाई के खिलाफ पत्नी निकिता सिंघानिया द्वारा दाखिल दहेज उत्पीड़न के मामले में गुरुवार यानी 12 दिसंबर को सुनवाई की तिथि तय है। मामला एसीजेएम प्रथम की अदालत में चल रहा है।

अभिनेत्री के बेटे को उतारा मौत के घाट...

माता-पिता की निगरानी से दूर युवा पीढ़ी किस तरह नशे के दलदल में फंस रही है, अभिनेत्री सपना के पुत्र सागर की मौत इसका ताजा उदाहरण है। सागर नशेड़ी गैंग के चंगुल में फंस गया था और उसे बिगाड़ने वाले दोस्त ही उसे मौत के मुंह में धकेलकर चले आए। सपना सिंह मूल रूप से रसूला गांव की ही निवासी हैं। मायके के अधिकांश लोग अब बरेली में रह रहे हैं। उनकी शादी क्षेत्र के ही गांव गोमिदपुर तुमड़िया निवासी रवि गंगवार से हुई थी। सागर इसी दंपती का पुत्र था। हालांकि सपना का कुछ साल बाद ही पति से अलगाव हो गया। सागर कभी मुंबई में मां के पास तो कभी पढ़ाई के चक्कर में ननिहाल बरेली में रहता था। यहां भी सपना खर्चे के लिए अलग से भी रुपये भेजती रहती थीं। पुलिस की प्रारंभिक जांच के मुताबिक माता-पिता से दूरी और ननिहाल के लाड़ से सागर गलत संगत में पड़ गया था। वह क्रिकेट खेलने का शौकीन था। इसी शौक में उसकी दोस्ती अर्जुन और सनी से हुई। अर्जुन के पिता मुरादाबाद में आर्ड पुलिस के हेड कांस्टेबल हैं तो सनी के पिता बरेली में ही सिक्योरिटी गार्ड हैं। ये दोनों लड़के काफी बिगड़े हुए हैं और ड्रग्स लेते हैं।

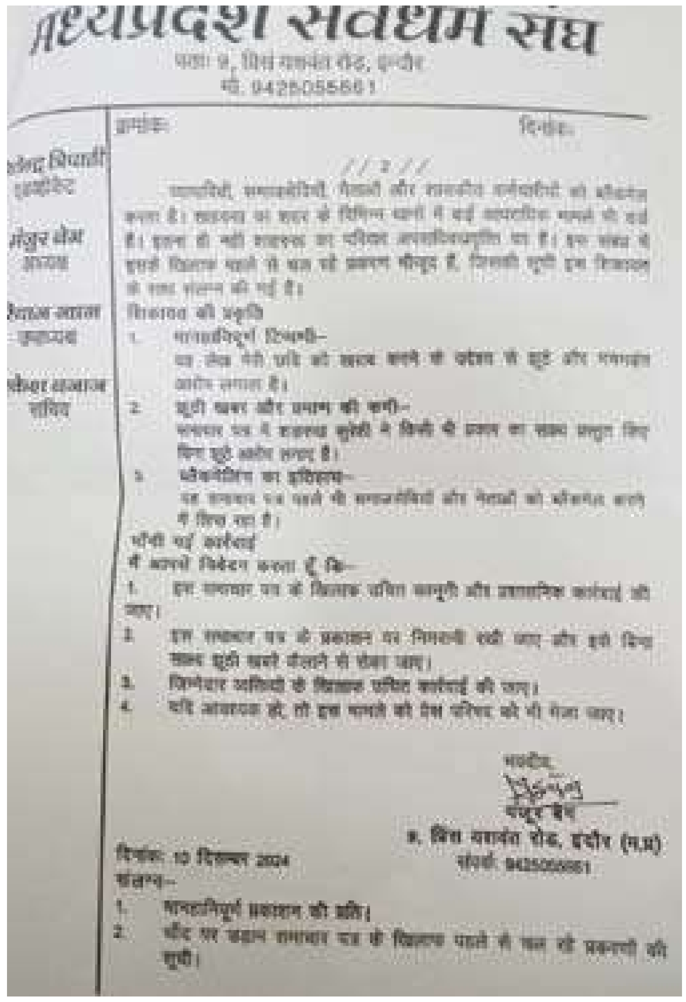

संस्था सर्वधर्म अध्यक्ष मंजूर बेग ने की शिकायत

इंदौर। संस्था सर्वधर्म के अध्यक्ष मंजूर बेग द्वारा झुठी खबर चलाए जाने पर शिकायत की गई एवं कहा गया कि मेरी छवि को धूमिल किया जा रहा है। अभी कुछ दिनों पूर्व एक अखबार द्वारा मंजूर बेग के खिलाफ खबर चलाई गई थी जिसपर आपत्ति लेते हुए संस्था सर्वधर्म के अध्यक्ष मंजूर बेग ने इसकी शिकायत करी एवं इसकी शिकायत पुलिस उपायुक्त कार्यालय में मंजूर बेग द्वारा की गई एवं उनके द्वारा कहा गया कि मेरी छवि धूमिल की जा रही हे जिसके खिलाफ मेरे द्वारा प्रशासन को शिकायत कर अवगत कराया गया है।

संसद भवन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री मा.अमित शाह जी से भेंट की विविध समसामयिक और राष्ट्रहित से जुड़े विषयों पर सार्थक संवाद हुआ। गृह मंत्री जी से प्रदेश की प्रगति के संदर्भ में भी चर्चा हुई।

मोहन यादव सरकार के 1 वर्ष पूर्ण...

शुरू होगा जनकल्याण अभियान और जनकल्याण पर्व

मध्य प्रदेश में डॉ मोहन यादव को मुख्यमंत्री बने एक वर्ष पूर्ण हो गया है सरकार के एक साल पूरा होने के उपलक्ष्य में 11 दिसंबर से जनकल्याण अभियान और जनकल्याण पर शुरू हो रहा है शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में पात्र हितग्राहियों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाए इसके लिए शहर और ग्राम पंचायत में शिविर लगाए जा रहे हैं पूरे प्रदेश में शासकीय विभाग इस अभियान को सफल बनाने में जुटे हैं जनकल्याण पर्व 26 दिसम्बर तक चलेगा इसी प्रकार मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान 26 जनवरी 2025 तक चलेगा गरीब युवा किसान महिलाओ कि समृद्धि पर रहेगा।

सत्रहवीं बार बने राज्य विजेता

प्रतिभाशाली खिलाड़ी प्रशांत महंत

शहर के प्रतिभाशाली खिलाड़ी प्रशांत महंत का विजयीरथ सिविल सर्विसेस की राज्य स्तरीय टेबल टेनिस स्पर्धा में सतत जारी है, और उन्होंने हाल ही में भोपाल में संपन्न हुई राज्य सिविल सेवा सर्विस की टेबल टेनिस स्पर्धा में पुरुष एकल वर्ग का खिताब अपने नाम किया। प्रशांत महंत की यह उपलब्धी भी इसलिए भी मायने रखती है कि उन्होंने यह खिताब पहली बार नहीं जीता, वह यह खिताब लगातार 17 वर्ष से विजेता बनकर इन्दौर शहर का झंडा बुलंद कर रहे है।

इन्दौर। अखिल भारतीय स्पर्धा में भी वह एक बार रजत तथा दो बार कांस्य पदक जीत चुके हैं। इस वर्ष खेले गए खिताबी मुकाबले में उन्होंने रतलाम के प्रभाकर राव को शिकस्त दी। पूरी स्पर्धा में वह अपराजित रहे और लीग के अपने सभी 7 में से सात मुकाबलों में जीत कर अजेय रहे। यह खिताब इसलिए भी मायने रखता है कि इस वर्ष पूरे प्रदेश से 115 खिलाड़ियों ने चुनौती पेश की थी, जिसमें इन्दौर के इस खिलाड़ी ने अपना वर्चस्व जमाया। 56 वसंत पार कर चुके पार कर चुके प्रशांत महंत आज भी किसी युवा खिलाड़ी से कम नहीं है और इसी कारण उन्हें अभय प्रशाल में 13 दिसंबर से प्रारंभ हो रही उच्च स्तर की टेबल टेनिस लीग में खेलना का मौका मिला है। किंग पोंग ने उन्हें निलामी में साढ़े तीन लाख की राशि देकर अपने साथ जोड़ा है, इस टीम के कोच प्रतिश जंजीरे तथा मैनेजर योगेंद्र चौहान है, और उनकी फ्रेंचाइजी से महंत से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। महंत नियमित रूप से जितेंद्र भांडिया, विभूती शर्मा, प्रकाश भालेराव, प्रांशु शर्मा के साथ मल्हार क्रीड़ा मंडल में अभ्यास करते है। म.प्र. टेबल टेनिस एसोसिएशन के चेयरमैन ओम सोनी, सचिव जयेश आचार्य सहित तमाम पदाधिकारियों का भी उन्हें मार्गदर्शन मिलता रहता है। उम्मीद है कि वे इसी तरह शहर का मान बढ़ाते रहे।

देखते रह गए "बुलेट राजा...", तेज आवाज के साइलेंसरों का इंदौर पुलिस ने फिर "बजाया बाजा"

इंदौर में इन दिनों बुलेट राजाओं के साइलेंसरों की ''आवाज दबाने'' का काम तेजी से कमिश्नर संतोष सिंह के निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा किया जा रहा है... इसी कड़ी में आज भी इन बुलेटों के तेज आवाज वाले करीब एक हजार साइलेंसरों को हमेशा के लिए ''साइलेंट'' करने के लिए सड़क पर बिछाया और इन पर एक नहीं, बल्कि दो रोड रोलर चलवाए... मालूम हो कि इस कार्रवाई को लेकर आमजन भी इंदौर पुलिस की जमकर सराहना कर रहे हैं... वहीं ''बुलेट राजा'' भी ''आवाज की लक्ष्मण रेखा'' लांघने से डर रहे हैं, तो तेज आवाज के साइलेंसर बनाने वालों का धंधा भी चौपट होता दिख रहा है..!

इंदौर एयरपोर्ट को मिलेगी नई सुविधाएं, नागरिक उड्डयन मंत्री श्री नायडू नए एटीसी और फायर सेफ्टी भवन का लोकार्पण करेंगे

सांसद श्री लालवानी ने केन्द्रीय मंत्री श्री नायडू से मुलाकात कर इंदौर एयरपोर्ट के विकास की मांग रखी

अनिल चौधरी

इंदौर। इंदौर एयरपोर्ट को नई सुविधाएं मिलने वाली है जिसके बाद हवाई सफर बेहतर और ज्यादा सुरक्षित होगा। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री किंजरापू राममोहन नायडू इंदौर में कई सुविधाओं का लोकार्पण करेंगे।

इसमें नया फायर स्टेशन एयर ट्रैफिक कंट्रोल प्रमुख है। केंद्रीय मंत्री श्री नायडू के इंदौर आगमन की संभावित तारीख 22 दिसंबर है। सांसद श्री शंकर लालवानी ने नागरिक उड्डयन मंत्री से मुलाकात कर उन्हें इंदौर आने का न्योता दिया, जिसे केंद्रीय मंत्री श्री नायडू ने स्वीकार किया। साथ ही,

सांसद लालवानी ने इंदौर एयरपोर्ट को आगामी 25 सालों को ध्यान में रखकर विकसित करने की योजना भी केंद्रीय मंत्री श्री नायडू से साझा की। सांसद शशंकर लालवानी ने बताया कि उन्होंने नागरिक उड्डयन मंत्री श्री नायडू से इंदौर आने का अनुरोध किया था जिस मंत्री श्री नायडू ने सहर्ष स्वीकार किया है। लगातार विकसित होते इंदौर एवं आगामी सिंहस्थ को ध्यान में रखकर एयरपोर्ट के विकास के लिए एक प्लान भी साझा किया है, जिस पर मंत्री श्री नायडू ने विस्तार से बात को सुना है और इंदौर में हवाई सुविधाएं बढ़ाने का भरोसा दिलाया। इससे पहले सांसद श्री लालवानी ने केंद्रीय मंत्री श्री नायडू से मुलाकात कर नए टर्मिनल भवन, टैक्सी बे बनाने तथा इंदौर एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का दर्जा दिलाने की भी मांग की थी। नागरिक उड्डयन मंत्री मंत्री श्री नायडू के इंदौर प्रवास के दौरान इन विषयों पर भी विस्तार से चर्चा होगी और इंदौर को नई सौगातें मिलने का रास्ता खुल सकता है।